दिव्य हिमाचल 26/9/26

जीजीडीएसडी कॉलेज में साहित्यकार टैगोर के साहित्य और दर्शन पर परिचर्चा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो– चंडीगढ़

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म (जीजीडीएसडी) कॉलेज, सेक्टर-32 सी में कॉलेज पुस्तकालय के रीडर्स क्लब ने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (एनडीएलआई) क्लब के सहयोग से रीडिंग सर्किल 2.0 का आयोजन किया। कार्यक्रम रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन, दर्शन और उनकी साहित्यिक कृतियों को समर्पित रहा। इसमें विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और साहित्य प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि रीडिंग सर्कल जैसे मंच विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने रीडर्स क्लब और एनडीएलआई क्लब की टीम को ऐसे बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रीत लड़ी की संपादक पूनम सिंह रहीं। विद्यार्थियों ने टैगोर की चुनिंदा कविताओं और गद्यांशों का पाठ किया। उन्होंने उनकी रचनाओं के सामाजिक-सांस्कृतिक महत्त्व पर चर्चा करते हुए स्वतंत्रता, सार्वभौमिकता और मानवीय संबंधों जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। रीडर्स क्लब के संयोजक एवं एनडीएलआई क्लब के अध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत सिंह सोहल ने कहा कि रीडिंग सर्किल 2.0 का उद्देश्य पढ़ने की आदत को व्यक्तिगत गतिविधि तक सीमित न रखकर उसे साझा और सामुदायिक अनुभव बनाना है।

पंजाब केसरी २८|९|२५

कॉलेज में रीडर्स क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते विद्यार्थी। *(परमजीत)*

रवींद्रनाथ टैगोर के साहित्य पर विद्यार्थियों ने की बौद्धिक परिचर्चा

रीडिंग सर्कल 2.0 में स्वतंत्र चिंतन, मानवतावाद और साहित्य की प्रासंगिकता पर चर्चा

चंडीगढ़, 27 सितम्बर (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कॉलेज पुस्तकालय के रीडर्स क्लब ने नैशनल डिजीटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया क्लब के सहयोग से 'रीडिंग सर्कल 2.0' का आयोजन किया। सत्र रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन, दर्शन और उनकी कालजयी साहित्यिक कृतियों को समर्पित रहा।

इसमें विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और साहित्य प्रेमियों ने विचार-विमर्श एवं बौद्धिक परिचर्चा में हिस्सा लिया। प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि रीडिंग सर्कल जैसे मंच समग्र शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। टैगोर जैसे महान विचारकों की रचनाओं का गहन अध्ययन विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, स्वतंत्र चिंतन और बौद्धिक जिज्ञासा को बढ़ावा देता है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता 'प्रीत लड़ी' की संपादक पूनम सिंह ने कहा कि साहित्य केवल पन्नों पर लिखे शब्द नहीं, बल्कि भावनात्मक सत्य और सामाजिक चेतना से जुड़ा जीवंत संवाद है।

उन्होंने युवा पाठकों से टैगोर के गद्य और पद्य के गूढ़ अर्थों को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि टैगोर का मानवतावादी दर्शन आज भी प्रासंगिक और मार्गदर्शक है।

कविताओं और गद्यांशों का पाठ किया

साहित्यिक परिचर्चा में टैगोर की कविताओं और गद्यांशों का पाठ किया। उनके समकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व पर चर्चा की। रीडर्स क्लब के संयोजक एवं एन.डी.एल.आई. क्लब के अध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत सिंह सोहल ने बताया कि रीडिंग सर्कल 2.0 का उद्देश्य अध्ययन की आदत को व्यक्तिगत दायरे से बाहर निकालकर साझा और सामुदायिक अनुभव में बदलना है। टैगोर का व्यापक दृष्टिकोण विद्यार्थियों को विविध विचार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है।